छात्र-छात्राओं के लिए महत्वपूर्ण सूचना

प्रिय छात्र-छात्राओं,

हाल ही में *Jharkhand University of Technology (JUT)* के नाम से प्रशिक्षण एवं पंजीकरण शुल्क संबंधी भ्रामक एवं फर्जी ईमेल/संदेश प्रसारित किए जा रहे हैं।

सभी विद्यार्थियों से अनुरोध है कि **केवल Jharkhand University of Technology के रजिस्ट्रार द्वारा जारी, हस्ताक्षरित एवं विश्वविद्यालय के आधिकारिक माध्यमों से प्रकाशित आदेश/पत्रों पर ही विश्वास करें।**

⚠ **किसी भी अनाधिकृत ईमेल, व्हाट्सएप संदेश, सोशल मीडिया पोस्ट अथवा अन्य माध्यम से प्राप्त सूचना के आधार पर किसी भी प्रकार का पंजीकरण या राशी का भुगतान न करें।**

दैनिक भास्कर रांची 11-07-2026

रांची फ्रंट पेज

दैनिक भास्कर
रविवार, 11 जुलाई, 2026 02

जेयूटी के नाम पर 40 घंटे की ट्रेनिंग का मेल, छात्रों से मांगे 3-3 हजार रुपए

10 हजार से अधिक छात्रों से रजिस्ट्रेशन के नाम पर वसूली का प्रयास, विवाद बढ़ा तो यूनिवर्सिटी ने कहा-मेल ही फर्जी है

संवेदा | रांची

झारखंड यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी (जेयूटी) के नाम से 40 घंटे के इंडस्ट्रीयल रेडी सर्टिफिकेशन प्रोग्राम संबंधित एक एक ईमेल संबद्ध इंजीनियरिंग और पॉलिटेक्निक कॉलेजों को भेजा गया। ईमेल में सभी सेमेस्टर के डिप्लोमा और बीटेक छात्रों के लिए रजिस्ट्रेशन कराने की बात कही गई थी। इसके लिए प्रति छात्र 3000 रुपए शुल्क निर्धारित किए गए थे। यह ईमेल राज्य के 60 से अधिक संबद्ध इंजीनियरिंग और पॉलिटेक्निक कॉलेजों तक पहुंचा। इन कॉलेजों के लगभग चार करीब 10 हजार छात्रों को रजिस्ट्रेशन कराने के लिए कहा गया था। 24 घंटे के अंदर दूसरा ईमेल जारी कर जेयूटी ने कहा कि ईमेल विश्वविद्यालय या उसके प्लेसमेंट सेल की ओर से जारी नहीं किया गया है। विश्वविद्यालय ने इसे फर्जी बताया।

ईमेल में क्या कहा गया था

पहले ईमेल में कहा गया था कि विश्वविद्यालय ने कहा कि देक स्किल इंडिया रांची के सहयोग से 40 घंटे का इंडस्ट्री-आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू कर रहा है। इसका उद्देश्य छात्रों को तकनीकी दक्षता, इंटरव्यू की तैयारी और कैंपस प्लेसमेंट की संभावनाओं को बेहतर बनाना है। ईमेल में सभी कॉलेजों के प्राचार्यों, प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट अधिकारियों और विभागाध्यक्षों से छात्रों का पंजीकरण सुनिश्चित करने के लिए कहा गया था। इसके लिए गूगल फॉर्म को लिंक भेज लिया गया था।

केवल विवि के आधिकारिक माध्यमों से जारी सूचनाओं पर भरोसा करने की अपील

विश्वविद्यालय ने जारी किया स्पष्टीकरण

विवाद बढ़ने के बाद जेयूटी ने स्पष्ट किया कि उक्त ईमेल विवि की ओर से जारी नहीं किया गया है। किसी अनधिकृत व्यक्ति ने उसके नाम का उपयोग करते हुए यह ईमेल भेजा है। सभी कॉलेजों और संबंधित पक्षों से कहा गया कि वे इस ईमेल को आधार बनाकर कोई कदम न उठाएं। केवल विश्वविद्यालय के आधिकारिक माध्यमों से जारी सूचनाओं पर ही भरोसा करें, अन्य किसी सूचनाओं पर नहीं।

प्रशिक्षण जरूरी नहीं, इच्छुक छात्र पंजीकरण करें

विश्वविद्यालय के प्लेसमेंट अधिकारी पंकज कुमार सिंह ने कहा कि ईमेल भेजने वाले व्यक्ति ने नन पैडेटरी को जगह पैडेटरी लिख दिया, जिसके कारण इस तरह की भ्रम की स्थिति उत्पन्न हुई। उनके अनुसार यह प्रशिक्षण कार्यक्रम अनिवार्य नहीं है। केवल वही छात्र इसमें पंजीकरण करें, जो इसे अपने लिए उपयोगी समझते हों। उन्होंने छात्रों को ऐसे ईमेल पर सावधान रहने को कहा।

मुख्य बातें... • ईमेल पर जुड़ा तथ्य जेयूटी से संबद्ध 60 से अधिक इंजीनियरिंग और पॉलिटेक्निक कॉलेज। • इन कॉलेजों में 10 हजार डिप्लोमा व बीटेक छात्र अध्ययनरत। • ईमेल में 40 घंटे के इंडस्ट्रीयल रेडी सर्टिफिकेशन प्रोग्राम के लिए भेजा ईमेल। • प्रति छात्र 3000 रुपए शुल्क निर्धारित किया गया था। • विवि ने ईमेल को फर्जी बताते हुए उस पर कार्रवाई नहीं करने को कहा।

यदि किसी सूचना, प्रशिक्षण, पंजीकरण अथवा शुल्क के संबंध में कोई संदेह या भ्रम हो, तो कृपया सीधे **रजिस्ट्रार कार्यालय** अथवा **प्लेसमेंट सेल, झारखंड यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी (JUT), रांची** से संपर्क कर पुष्टि प्राप्त कर लें।

<u>नोट:</u> केवल विश्वविद्यालय के आधिकारिक एवं विधिवत हस्ताक्षरित आदेशों का ही पालन करें।

ह०/-

रजिस्ट्रार

झारखंड यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी (JUT), रांची